अरुणाचल के मुख्यमंत्री श्री दोर्जी खांडू के निधन पर कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव
4 मई, 2011

कांग्रेस कार्य समिति की यह बैठक अरुणाचल के मुख्यमंत्री श्री दोर्जी खांडू के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुए आकस्मिक एवं असामयिक निधन पर हार्दिक शोक व्यक्त करती है।

श्री खांडू ने अपेक्षाकृत बहुत कम आयु में अनेक उपलब्धियां प्राप्त कीं। उन्होंने जब जो भी काम हाथ में लिया उसमें न केवल सफलता पायी बल्कि संमान और प्रशंसा भी प्राप्त की। जीवन के आरंभिक दिनों में वे भारतीय सेना के गुप्तचर विभाग की सेवा में रहे और कुछ ही वर्षों में बांग्लादेश की लड़ाई के समय उन्हें अपने काम के लिए स्वर्ण–पदक मिला। सेना की नौकरी छोड़ने के बाद तवांग ज़िले में ज़मीनी स्तर पर उन्होंने ग्रामवासियों की सेवा और सहायता का काम शुरू किया और लोकप्रियता प्राप्त की। इसके साथ ही साथ उन्होंने सहकारिता और संस्कृति के कार्य आरंभ किए और 1982 के एशियाड में अरुणाचल प्रदेश के सांस्कृतिक दल का नेतृत्व किया। वे ज़िला परिषद् के निर्विरोध

उपाध्यक्ष चुने गये और पानी, बिजली, संचार, शिक्षा एवं धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से जनता की सेवा की।

जब अरुणाचल की पहली विधानसभा बनी तो वे उसके निर्विरोध सदस्य चुने गये। तब से वे पांच बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए और पांच में से तीन बार निर्विरोध चुने गये। अनेक वर्षों तक अरुणाचल में वे बहुत से विभागों के मंत्री रहे और 2007 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

श्री खांडू का जन्म अरुणाचल की मोन्पा जनजाति के एक साधारण परिवार में हुआ था। वे अपने कर्म और निष्ठा के माध्यम से प्रदेश के सबसे बड़े राजनीतिक पद तक पहुंचे। यह अपने में एक उदाहरण है। आज उनका असमय निधन पार्टी की एक ऐसी क्षति है जिसका खालीपन एक लंबे समय तक महसूस होगा।

कांग्रेस कार्य समिति शोक के इन क्षणों में श्री खांडू के परिवारजनों, कांग्रेसजनों, उनके सहयोगियों, मित्रों, शुभचिंतकों, समर्थकों एवं पूरे अरुणाचल प्रदेश की बहनों और भाइयों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।